भारत सरकार

वस्त्र मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1243

11.02.2021 को जवाब दिया

ओडिशा में ग्रामीण शिल्पकारों, मूर्तिकारों और बुनकरों को सहायता

1243. श्री अश्वनी वैष्णव:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा कोविड महामारी काल के दौरान ओडिशा में ग्रामीण शिल्पकारों, मूर्तिकारों और बुनकरों को उनके जीविकोपार्जन के लिए क्या-क्या सहायता प्रदान की गई है; और

(ख) क्या ओडिशा में "शिल्प गांव" स्थापित किया जा सकता है जहां पारंपरिक शिल्पकार और बुनकर रह सकते हैं और राज्य के अपने समृद्ध हस्तशिल्प, मूर्तियों को प्रदर्शित कर सकते हैं?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क): जी हां, महोदय, सरकार ने ओडिशा के ग्रामीण शिल्पकारों, बुनकरों को हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्र में सहायता प्रदान की है जिससे, कारीगर और बुनकर निम्नलिखित विभिन्न स्कीमों के माध्यम से कोविड महामारी काल के दौरान जीविकोपार्जन कर सकें;

<u>हस्तशिल्प क्षेत्र</u>

राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के निम्नलिखित घटक हैं;

1) अंबेडकर हस्तशिल्प विकास योजना के तहत बेसलाइन सर्वेक्षण एवं कारीगरों का संघटन
2) डिज़ाइन एवं प्रोद्योगिकी उन्नयन
3) मानव संसाधन विकास
4) कारीगरों को प्रत्यक्ष लाभ
5) इंफ्रास्ट्रक्चर एवं प्रोद्योगिकी सहायता
6) अनुसंधान एवं विकास
7) विपणन सहायता एवं सेवाएं

व्यापक हस्तशिल्प कलस्टर विकास योजना (सीएचसीडीएस) के निम्नलिखित घटक हैं:-

1) मेगा कलस्टर
2) हस्तशिल्पों का एकीकृत विकास एवं संवर्धन (आईडीपीएच) के तहत विशेष परियोजनाएं

<u>हथकरघा क्षेत्र</u>

1) राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी),
2) व्यापक हथकरघा कलस्टर विकास योजना (सीएचसीडीएस),
3) हथकरघा बुनकर व्यापक कल्याण योजना (एचडब्ल्यूसीडबल्यूएस) और
4) यार्न आपूर्ति योजना (वाईएसएस)|

उपर्युक्त स्कीमों के तहत, हथकरघा बुनकरों को कच्चे माल, करघों और सहायक उपकरणों की खरीद, डिज़ाइन नवीनता, उत्पाद विविधिकरण, इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास, कौशल उन्नयन, प्रकाश यूनिटों, हथकरघा उत्पादों के विपणन के लिए वित्तीय सहायता और रियायती दरों पर ऋण प्रदान किया जाता है|

(ख): सरकार ने पहले ही ओडिशा के रघुराजपुर में एक शिल्प ग्राम की स्थापना की है जहां पारंपरिक शिल्पकार और बुनकर रह सकते हैं और राज्य के अपने समृद्ध हस्तशिल्पों, मूर्तियों को प्रदर्शित कर सकते हैं|

***